This question paper contains 7 printed pages]

458

M.A. (Final) Examination, 2020

HINDI LITERATURE

Paper IV

गद्य साहित्य–2 (नाटक, निबन्ध तथा आलोचना)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

इस प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड निम्न प्रकार हैं :

खण्ड 'अ' **अधिकतम अंक-10**

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न है जिसमें 10 भाग हैं। प्रत्येक भाग का उत्तर लगभग 20 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड 'ब' **अधिकतम अंक-50**

इस खण्ड में 10 प्रश्न हैं। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए, कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड 'स' **अधिकतम अंक-40**

इस खण्ड में 4 प्रश्न हैं (प्रश्नों के उपभाग हो सकते हैं)। इस खण्ड में एक इकाई से अधिकतम एक प्रश्न होगा। प्रश्न संख्या 12 (इस खण्ड का प्रथम प्रश्न) अनिवार्य होगा। शेष तीन प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर दिया जाना है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

   (*i*) 'चन्द्रगुप्त' नाटक के नायक चन्द्रगुप्त के गुरु कौन हैं ?

   (*ii*) धर्मवीर भारती के 'अंधायुग' नाटक में कितने अंक हैं ?

   (*iii*) आचार्य रामचन्द्र ने 'साधारणीकरण' को अपने निबन्ध में कैसे परिभाषित किया है ?

   (*iv*) व्यक्ति वैचित्र्यवाद क्या है ?

   (*v*) साहित्य और कला की प्रेरणा के फल क्या हैं ?

   (*vi*) कवि रवीन्द्रनाथ ने भारतीय संस्कृति किसे कहा है ?

https://www.uokonline.com

(vii) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के अनुसार साहित्य के तीन लक्ष्य कौन-कौनसे हैं ?

(viii) डॉ. नगेन्द्र ने आनंद को मानव चेतना का पूर्ण-विकास किस तरह बतलाया है ?

(ix) 'काव्य भाषा और बिम्ब प्रक्रिया' निबन्ध के रचनाकार का नाम लिखिए।

(x) विजयदेवनारायण साही के अनुसार मनुष्य की परिभाषा बताइये।

खण्ड-ब

इकाई-I

2. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"मुझे इस देश से जन्मभूमि के समान स्नेह होता जा रहा है। यहाँ के श्यामल कुंज, घने जंगल, सरिताओं की माला पहने हुई शैल-श्रेणी, हरी-भरी वर्षा, गर्मी की चांदनी, शीतकाल की धूप और भोले कृषक तथा सरला कृषक बालिकायें, बाल्यकाल की सुनी हुई कहानियों की जीवित प्रतिमायें हैं।

यह स्वप्नों का देश, यह त्याग और ज्ञान का पालना, यह प्रेम की रंगभूमि-भारतभूमि क्या भुलायी जा सकती है ? कदापि नहीं अन्य देश मनुष्यों की जन्मभूमि है, यह भारत मानवता की जन्मभूमि है।"

3. "माता मत कहो मुझे
तुम जिसको कहते हो प्रभु
वह भी मुझे माता ही कहता है।
शब्द यह जलते हुए लोहे की सलाखों-सा
मेरी पसलियों में धँसता है।
सत्रह दिन के अन्दर
मेरे सब पुत्र एक-एक कर मर गए
अपने इन हाथों से
मैंने उन फूलों-सी वधुओं की कलाइयों से
चूड़ियाँ उतारी हैं
अपने इस आँचल से
सेन्दुर की रेखाएँ पोंछी हैं।"

https://www.uokonline.com

https://www.uokonline.com

इकाई-II

4. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"जिस प्रकार का सुख या आनन्द देने वाली वस्तु के सम्बन्ध में मन की ऐसी स्थिति को जिसमें इसके अभाव की भावना होते ही प्राप्ति, सान्निध्य या रक्षा की प्रबल इच्छा जग पड़े, लोभ कहते हैं। दूसरे की वस्तु का लोभ करके उसे लोग लेना चाहते हैं, अपनी वस्तु का लोभ करके उसे लोग देना या नष्ट होने देना नहीं चाहते। प्राय: प्राप्त सुख के अभाव या अभाव-कल्पना के बिना लोभ की अभिव्यक्ति नहीं होती। अत: इसके सुखात्मक और दु:खात्मक दोनों पक्ष हैं।"

5. "कवि सौन्दर्य से प्रभावित रहता है और दूसरों को भी प्रभावित करना चाहता है। किसी रहस्यमयी प्रेरणा से उसकी कल्पना में कई प्रकार के सौन्दर्य का जो मेल आप से आप हो जाया करता है, उसे पाठक के सामने भी वह प्राय: रख देता है, जिस पर कुछ लोग कह सकते हैं कि ऐसा मेल क्या संसार में बराबर देखा जाता है। मंगल शक्ति के अधिष्ठान राम और कृष्ण जैसे पराक्रमशाली और धीर हैं, वैसा ही उनका रूप माधुर्य और उनका शील भी लोकोत्तर है।"

https://www.uokonline.com

इकाई-III

6. 'संस्कृतियों का संगम' शीर्षक निबन्ध के आधार पर आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने 'द्रविड़' किसे सिद्ध किया है ? लिखिए।

7. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने इस्लाम के भारत आगमन के किन कारणों की ओर संकेत किया है ? बताइये।

इकाई-IV

8. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबंध 'तुलसी की भावुकता' के आधार पर तुलसीदास जी भावुक कवि थे। कैसे ? स्पष्ट कीजिए।

9. 'छायावाद' शीर्षक निबन्ध में व्यक्त आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी के विचारों का उल्लेख कीजिए।

इकाई-V

10. विजयदेवनारायण साही ने छायावादी काव्य के संदर्भ में क्या टिप्पणी की है ? स्पष्ट कीजिए।

11. डॉ. नामवर सिंह ने अपने निबंध में सफल बिम्ब किसे माना है ? लिखिए।

https://www.uokonline.com

https://www.uokonline.com

खण्ड-स

12. ''चन्द्रगुप्त नाटक में प्रसाद जी ने इतिहास और कल्पना का अद्‌भुत समन्वय किया है।'' इस कथन की युक्तिसंगत विवेचना कीजिए।

13. 'कविता क्या है' निबंध में व्यक्त आचार्य शुक्ल की कविता-विषयक मान्यताओं पर प्रकाश डालिए।

14. डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबन्धों की भाषा-शैली पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

15. डॉ. नगेन्द्र के पठित निबंध के आधार पर उनके रस-सिद्धांत-विषयक आक्षेपों और समाधान पर विस्तारपूर्वक टिप्पणी लिखिए।

https://www.uokonline.com
https://www.uokonline.com
https://www.uokonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से